NEWS CLIPPING: 27.10.2018

NAVBHARAT TIME

स्टूडेंट्स को दी जानकारी

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : लैंगिक समानता व कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए स्टूडेंट्स को जागरूक करने के उद्देश्य से जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। लैंगिक समानता एवं विविधता विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में कमांडेंट डॉ.सुवर्णना सजवान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस दौरान हरियाणा महिला आयोग की सदस्य रेणू भाटिया, ऑल इंडिया रेडियो की आरजे शबनम और एसआरपीएम की अध्यक्ष ध्वनि जैन ने संबोधित किया। डॉ. सुवर्णना सजवान ने स्टूडेंट्स को यौन उत्पीड़न के प्रति जागरूक किया और विभिन्न संस्थानों में महिला यौन उत्पीड़न प्रकोष्ठ की स्थापना, जिम्मेदारी व कार्यप्रणाली से अवगत करवाया।

NEWS CLIPPING: 27.10.2018

PUNJAB KESARI

'लैंगिक समानता को लेकर खुलकर बात करने की आवश्यकता'

लैंगिक समानता एवं विविधता विषय पर कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद, 26 अक्तूबर (ब्यूरो): लैंगिक समानता के प्रति विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को संवेदनशील करने तथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा लैंगिक समानता एवं विविधता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में सशस्त्र सीमा बल, दिल्ली की 25वीं बटालियन में कमांडेंट डॉ सुवर्णना सजवान मुख्य अतिथि रही। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार द्वारा की गई। सत्र को हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य रेणू भाटिया, आल इंडिया रेडिया में रेडियो जॉकी शबनम तथा एसआरपीएम की अध्यक्ष ध्वनि जैन ने भी संबोधित किया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

इससे पूर्व बोलते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने कहा कि लैंगिक समानता एक ऐसा संवेदनशील विषय है, जिस पर समाज में पुरानी धारणाओं पीछे छोड़कर खुलकर बातचीत की आवश्यकता है। दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुए सत्र को संबोधित करते हुए डॉ सुवर्णना सजवान ने विद्यार्थियों को यौन उत्पीड़न के प्रति जागरूक किया तथा विभिन्न संस्थानों में महिला यौन उत्पीड़न प्रकोष्ठ की स्थापना, जिम्मेदारी एवं कार्यप्रणाली से अवगत करवाया।

सत्र को संबोधित करते हुए राज्य महिला आयोग की सदस्य रेणू भाटिया ने चर्चा में चल रहे मीटू अभियान से अपने संबोधन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि इस विश्व व्यापी अभियान की शुरूआत किसी भी प्रकार के मानसिक उत्पीड़न को दूसरों के साथ साझे करने के रूप में हुई और भारत में इस अभियान ने सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया उन्होंने कहा कि एक महिला के लिए किसी भी प्रकार के उत्पीड़न को लेकर खुलकर बोलने के लिए काफी साहस की जरूरत होती है चाहे वह शारीरिक हो, उन्होंने कहा कि इस अभियान ने महिलाओं को खुलकर बोलने का अवसर दिया है और महिलाओं को किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरूद्ध खुलकर आवाज उठानी चाहिए।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 27 October 2018
epaper.punjabkesari.in/c/33515211

NEWS CLIPPING: 27.10.2018

AMAR UJALA

उत्पीड़न पर खुलकर बोलने के लिए साहस की जरूरत

अमर उजाला ब्यूरो

लैंगिक समानता और विविधता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया

फरीदाबाद। लैंगिक समानता व विविधता विषय पर शुक्रवार को जेसी बोस विश्वविद्यालय वाईएमसीए में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में सशस्त्र सीमा बल, दिल्ली की 25वीं बटालियन में कमांडेंट डॉ. सुवर्णना सजवान मुख्य अतिथि रहीं। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई। सत्र को हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य रेणू भाटिया, ऑल इंडिया रेडियो में रेडियो जॉकी शबनम और एसआरपीएम की अध्यक्ष ध्वनि जैन ने भी संबोधित किया। कुलपति प्रो. दिनेश ने कहा कि लैंगिक समानता एक ऐसा संवेदनशील विषय है, जिस पर समाज में पुरानी धारणाओं को पीछे छोड़कर खुलकर बातचीत की आवश्यकता है। तभी समाज में समरसता आएगी।

डॉ. सुवर्णना सजवान ने विद्यार्थियों को यौन उत्पीड़न के प्रति जागरूक करने के साथ ही विभिन्न संस्थानों में महिला यौन उत्पीड़न प्रकोष्ठ की स्थापना, जिम्मेदारी और कार्यप्रणाली से अवगत कराया।